आधुनिक हिंदी व्याकरण - शिक्षण

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

विराम चिह्न

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

1. गतिविधि (Activity)

मेरे प्यारे जीवनसाथी मेरा प्रणाम आपके चरणों में।

आप ने अभी तक चिट्ठी नहीं लिखी मेरी सहेली को। नौकरी मिल गयी है हमारी गाय को। बछड़ा हुआ है दादाजी ने। तुमको बहुत खत लिखे पर तुम नहीं आये कुत्ते के बच्चे। भेड़िया खा गया दो महीने का राशन। छुट्टी पर आते समय ले आना एक खूबसूरत औरत। मेरी सहेली बन गई है और इस समय टीवी पर गाना गा रही है हमारी बकरी। बेच दी गयी है तुम्हारी माँ। तुमको बहुत याद कर रही है एक पड़ोसन। हमें बहुत तंग करती है तुम्हारी चंदा।

परिणाम:-पति का हार्ट फ़ेल।

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

2. प्रस्तावना (Introduction)

मेरे प्यारे जीवन साथी, मेरा प्रणाम आपके चरणों में।

आप ने अभी तक चिट्ठी नहीं लिखी। मेरी सहेली को नौकरी मिल गयी है। हमारी गाय को बछडा हुआ है। मैने तुमको बहुत खत लिखे, पर तुम नहीं आये। कुत्ते के बच्चे भेड़िया खा गया। दो महीने का राशन छुट्टी पर आते समय ले आना।एक खूबसूरत औरत मेरी सहेली बन गई है और इस समय टीवी पर गाना गा रही है। हमारी बकरी बेच दी गयी है।तुम्हारी माँ तुमको बहुत याद कर रही है। एक पड़ोसन हमें बहुत तंग करती है।

तुम्हारी चंदा।

उचित स्थान विराम लेने के लिए लगाया जाने वाला चिह्न विराम चिह्न कहलाता है

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

3. आत्मीकरण (विषय विस्तार)

❖विराम का अर्थ होता है विश्राम या रुकना।

❖अर्थात् वाक्य लिखते समय विराम को प्रकट करने के लिए लगाये जाने वाले चिह्न को ही विराम चिह्न कहते हैं।

❖वाक्य को लिखते अथवा बोलते समय बीच में कहीं थोड़ा-बहुत रुकना पड़ता है जिससे भाषा स्पष्ट, अर्थवान हो जाती है। लिखित भाषा में इस ठहराव को दिखाने के लिए कुछ विशेष प्रकार के चिह्नों का प्रयोग करते हैं जिन्हें विराम-चिह्न कहा जाता है।

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

उदहारण के लिए :

•समीर स्कूल जाता है।

•मैंने खाना खा लिया है।

•यदि विराम चिह्न का वक्य में सही से प्रयोग न किया जाए तो वाक्य अर्थहीन और अस्पष्ट या फिर एक दूसरे के विपरीत हो जाता है।

•उदहारण के लिए :

•रोको, मत जाने दो। – अब यहाँ पर न जाने दो की बात हो रही है।

•रोको मत, जाने दो। – और यहाँ पर जाने दो की बात हो रही है।

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

विराम चिह्न का नाम	विराम चिह्न	विराम चिह्न का नाम	विराम चिह्न
पूर्ण विराम	।	आदेश चिह्न	:-
अल्प विराम	,	विस्मयादिबोधक चिह्न	!
उप विराम	:	प्रश्नवाचक चिह्न	?
अर्द्ध विराम	;	अवतरण या उदहारणचिह्न	“...”
योजक चिह्न	–	पुनरुक्ति सूचक चिह्न	,,
कोष्ठक चिह्न	() {}[]	दीर्घ उच्चारण चिह्न	S
पदलोप चिह्न	...	तुल्यता सूचक चिह्न	=
रेखांकन चिह्न	_	विस्मरण चिह्न या त्रुटिपूरक चिह्न	^
लाघव चिह्न	०	निर्देशक चिह्न	—

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

1. पूर्ण विराम-**Full Stop (।) :**

जब वाक्य खत्म हो जाता है तब वाक्य के अंत में पूर्ण विराम (।) लगाया जाता है।

उदहारण :

राम खाना खाता है।

मोहन स्कूल जाता है।

राम जा दोस्त मोहन है।

मैंने अपना काम पूरा कर लिया।

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

2. अल्प विराम-Comma (,)

जहाँ थोड़ी सी देर रुकना पड़े, वहाँ अल्प विराम चिह्न का प्रयोग किया जाता हैं अथार्त एक से अधिक वस्तुओं को दर्शाने के लिए अल्प विराम चिह्न (,) लगाया जाता है।

उदहारण :

राम, सीता और लक्ष्मण वनवास गए।

भारत में पहाड़, झरने, नदी, खेत, ईमारत सुंदर होते हैं।

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

3. उप विराम-Colon (:) :

जब किसी शब्द को अलग दर्शाया जाता है तो वह पर उप विराम चिह्न (:) लगाया जाता है अथार्त जहाँ पर किसी वस्तु या विषय के बारे में बताया जाए तो वहां पर उप विराम चिह्न (:) का प्रयोग किया जाता है।

उदाहरण :

कृष्ण के अनेक नाम : मोहन, श्याम, मुरली, कान्हा।

उदहारण : राम खाना खाता है।

विज्ञान : वरदान या अभिशाप।

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

4. विस्मयादिबोधक चिह्न-Interjection (!) :

विस्मयादिबोधक चिह्न (!)का प्रयोग वाक्य में हर्ष, विवाद, विस्मय, घृणा, आश्चर्य, करुणा, भय इत्यादि का बोध कराने के लिए किया जाता है अथार्त इसका प्रयोग अव्यय शब्द से पहले किया जाता है।

उदाहरण :

हाय !, आह !, छि !, अरे !, शाबाश !

हाय ! वह मार गया।

आह ! कितना सुहावना मौसम है।

वाह ! कितना सुंदर वृक्ष है।

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

5. अर्द्ध विराम-Semi Colon (;) :

पूर्ण विराम से कुछ कम, अल्पविराम से अधिक देर तक रुकने के लिए 'अर्ध विराम' का प्रयोग किया जाता है अथार्त एक वाक्य या वाक्यांश के साथ दूसरे वाक्य या वाक्यांश का संबंध बताना हो तो वहाँ अर्द्ध विराम (;)का प्रयोग होता है।

उदाहरण :

सूर्यास्त हो गया; लालिमा का स्थान कालिमा ने ले लिया।

कल रविवार है; छुट्टी का दिन है; आराम मिलेगा।

सूर्योदय हो गया; चिड़िया चहकने लगी और कमल खिल गए।

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

6. प्रश्नवाचक चिह्न-Question Mark (?) :

प्रश्नवाचक वाक्य के अंत में 'प्रश्नसूचक चिह्न' (?) का प्रयोग किया जाता है अथार्त जब किसी वाक्य में सवाल पूछे जाने का भाव उत्पन्न हो तो उस वाक्य के अंत में प्रशनवाचक चिह्न (?) का प्रयोग किया जाता है

उदहारण :

वह क्या खा रहा है?

राम बाजार से क्या लेकर आया था?

सीता के पिता का क्या नाम था?

शिव कौन थे?

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

7. योजक चिह्न-Hyphen (–) :

दो शब्दों में परस्पर संबंध स्पष्ट करने के लिए तथा उन्हें जोड़कर लिखने के लिए योजक-चिह्न (–) का प्रयोग किया जाता है।

उदहारण :

वह राम–सीता की मूर्ती है।

सुख–दुःख जीवन में आते रहते हैं।

रात–दिन परिश्रम करने पर ही सफलता मिलती है।

देश के जवानों ने तन–मन-धन से देश की रक्षा के लिए प्रयत्न किया।

8. कोष्ठक चिह्न-Bracket () :

वाक्य के बीच में आए शब्दों अथवा पदों का अर्थ स्पष्ट करने के लिए कोष्ठक का प्रयोग किया जाता है अथार्त कोष्ठक चिह्न () का प्रयोग अर्थ को और अधिक स्पस्ट करने के लिए शब्द अथवा वाक्यांश को कोष्ठक के अन्दर लिखकर किया जाता है।

उदहारण :

अध्यापक (चिल्लाते हुए) " निकल जाओ कक्षा से।"

विश्वामित्र (क्रोध में काँपते हुए) ठहर जा।

धर्मराज (युधिष्ठिर) सत्य और धर्म के संरक्षक थे।

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

9. पदलोप चिह्न-Omission (...) :

जब वाक्य या अनुच्छेद में कुछ अंश छोड़ कर लिखना हो तो लोप चिह्न (...) का प्रयोग किया जाता है।

उदहारण :

राम ने मोहन को गली दी...।

मैं सामान उठा दूंगा पर...।

में घर अवश्य चलूँगा... पर तुम्हारे साथ।

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

10. अवतरण या उदहारणचिह्न-Inverted Comma (“...”) :

किसी की कही हुई बात को उसी तरह प्रकट करने के लिए अवतरण चिह्न (”...”) का प्रयोग किया जाता है।

उदहारण :

तुलसीदास ने सत्य कहा है — ”पराधीन सपनेहु सुख नाहीं।”

जयशंकर प्रसाद ने कहा है — ”जीवन विश्व की सम्पत्ति है।”

राम ने कहा, ”सत्य बोलना सबसे बड़ा धर्म है।”

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

11. रेखांकन चिह्न-**Underline (_) :**

किसी भी वाक्य में महत्त्वपूर्ण शब्द, पद, वाक्य को रेखांकित करने के लिए रेखांकन चिह्न (_)का प्रयोग किया जाता है।

उदहारण :

हरियाणा और उत्तर प्रदेश को <u>यमुना नदी</u> प्रथक करती है।

<u>गोदान</u> उपन्यास, प्रेमचंद द्वारा लिखित सर्वश्रेष्ठ कृति है।

कृष्ण ने <u>बरगद</u> के पेड़ के निचे उपदेश दिया था।

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

12. लाघव चिह्न-**Abbreviation Sign (०) :**

किसी बड़े तथा प्रसिद्ध शब्द को संक्षेप में लिखने के लिए उस शब्द का पहला अक्षर लिखकर उसके आगे शून्य (०) लगा देते हैं। यह शून्य ही लाघव-चिह्न कहलाता है।

उदहारण :

डॉक़्टर के लिए — डॉ०

पंडित के लिए — पं०

इंजिनियर के लिए — इंजी०

उत्तर प्रदेश के लिए — उ० प्र०

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

13. विवरण चिह्न-Sign of Following (:-) :

विवरण चिह्न (:-)का प्रयोग वाक्यांश के विषयों में कुछ सूचक निर्देश आदि देने के लिए किया जाता है।

उदहारण :

आम के निम्न फायदे है:-

संज्ञा के तीन मुख्य भेद होते हैं:-

वचन के दो भेद है:-

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

14. विस्मरण चिह्न या त्रुटिपूरक चिह्न-Oblivion Sign (^) :

विस्मरण चिह्न (ˆ) का प्रयोग लिखते समय किसी शब्द को भूल जाने पर किया जाता है।

उदहारण :

राम ˆ जएगा।

श्याम ˆ में रहते थे।

राम बहुत ˆ लड़का है।

मैंने तुमसे वो बात ˆ थी।

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

15. पुनरुक्ति सूचक चिह्न-Repeat Pointer Symbol (,,) :

पुनरुक्ति सूचक चिह्न (,,) का प्रयोग ऊपर लिखे किसी वाक्य के अंश को दोबारा लिखने से बचने के लिए किया जाता है।

उदहारण :

महीना	बचत
जनवरी	रु. 100
फरवरी	रु. 90
मार्च	,,
अप्रैल	रु. 50

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

16. दीर्घ उच्चारण चिह्न- (S) :

जब वाक्य में किसी विशेष शब्द के उच्चारण में अन्य शब्दों की अपेक्षा अधिक समय लगता है तो वहां पर दीर्घ उच्चारण चिह्न **(S)** का प्रयोग किया जाता है।

उदहारण :

S || || | | | S || SS (16 मात्राएँ, | को एक मात्रा तथा S को 2 मात्रा माना जाता है।)

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

17. तुल्यता सूचक चिह्न-**Equivalence indicator symbol (=) :**

वाक्य में दो शब्दों की तुलना या बराबरी करने में तुल्यता सूचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

उदारहण :

अच्छाई = बुराई

आ = बा

5 और 5 = 10

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

18. निर्देशक चिह्न-Dash (—) :

निर्देशक चिह्न (—)का प्रयोग विषय, विवाद, सम्बन्धी, प्रत्येक शीर्षक के आगे, उदाहरण के पश्चात, कथोपकथन के नाम के आगे किया जाता है।

उदहारण :

श्री राम ने कहा — सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए।

जैसे — फल सब्जी मसाले इत्यादि।

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

4. पुनरावृत्ति (मुख्य बिंदु)

❖विराम का अर्थ होता है विश्राम या रूकना।

❖अर्थात् वाक्य लिखते समय विराम को प्रकट करने के लिए लगाये जाने वाले चिह्न को ही विराम चिह्न कहते हैं।

❖वाक्य को लिखते अथवा बोलते समय बीच में कहीं थोड़ा-बहुत रुकना पड़ता है जिससे भाषा स्पष्ट, अर्थवान हो जाती है। लिखित भाषा में इस ठहराव को दिखाने के लिए कुछ विशेष प्रकार के चिह्नों का प्रयोग करते हैं जिन्हें विराम-चिह्न कहा जाता है।

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

5. मूल्यांकन (Evaluation)

सही विराम चिह्न का चयन कीजिये -

1. शब्द अथवा कथन के अर्थ को स्पष्ट करने के लिए

○ लाघव चिह्न (०) ○ योजक चिह्न (-) ○ निर्देशक चिह्न (-) ○ कोष्ठक [( )]

2. बहुत थोड़ा रुकने के लिए मध्य में

○ अल्पविराम (,) ○ विस्मयसूचक चिह्न ○ कोष्ठक [( )] ○ पूर्णविराम (।)

3. स्पष्ट करने या निर्देश देने के लिए

○ लाघव चिह्न (०) ○ विवरण चिह्न (:-) ○ निर्देशक चिह्न (-) ○ पूर्णविराम (।)

4. अल्पविराम से थोड़ा अधिक रोकने के लिए

○ लाघव चिह्न (०) ○ विवरण चिह्न (:-) ○ योजक चिह्न (-) ○ अर्धविराम (;)

5. प्रश्न पूछने के लिए

○ विस्मयसूचक चिह्न (!) ○ पूर्णविराम (।) ○ लाघव चिह्न (०) ○ प्रश्नवाचक चिह्न (?)

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

5. मूल्यांकन (Evaluation)

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

5. मूल्यांकन (Evaluation)

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

6. सृजन

1) सौंदर्य सृजन – चार्ट, मॉडल, फ्लैश कार्ड
2) साहित्यिक सृजन – विज्ञापन, संवाद, अनुच्छेद, कहानी
3) शैक्षिक सृजन – नवीन शिक्षण विधियाँ
4) तकनीकी सृजन – पी.पी.टी., ग्राफिक्स, एनिमेशन, वीडियो,
5) कलात्मक सृजन – नृत्य, भाषण, अभिनय, खेल
6) सांगितिक सृजन – गीत, धुन विकसित करना
7) वैज्ञानिक सृजन – नवीन आविष्कार
8) औद्योगिक सृजन – नवीन उद्योग

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942

अपनी प्रतिपुष्टि व सूचनाएँ ई-मेल पर दें।

Dr. Ahmed madhubunhindi@gmail.com 9989391942